



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 245]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 9, 2019/चैत्र 19, 1941

No. 245]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 9, 2019/CHAITRA 19, 1941

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2019

सं. 01/2019-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 294(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक है, एतद्वारा, निर्देश देती है कि नीचे दी गई सारणी के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचनाओं को उक्त सारणी के कॉलम (3) में दी गई तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट तरीके से आगे संशोधित किया जाएगा, यथा:-

सारणी

क्रम सं.	अधिसूचना संख्या और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	20/2015-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि. संख्या 271(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2015]	उक्त अधिसूचना में, पैराग्राफ 2 के पश्चात निम्नलिखित पैराग्राफ को अंतस्थापित किया जाएगा, यथा:- “3. उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में निहित किसी भी बात के बावजूद, 10 अप्रैल 2019 को या उसके बाद, कस्टम ऑटोमेटेड सिस्टम पर सक्षम पंजीकरण पत्तन के लिये, भौतिक प्रति के बिना इलेक्ट्रॉनिक रूप जारी उक्त पर्ची के संम्बद्ध में यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, नामशः:-

		<p>(1) यह कि अधिसूचना सं. 24/2015-सीमा शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि. 269 (अ) दिनांक 8 अप्रैल 2015] के पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट शर्तों (1) से (3) का पालन किया गया है और उक्त पर्ची में उल्लिखित पंजीकरण पत्तन पर सीमा शुल्क प्राधिकारी (जिसे इसके बाद उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी कहा गया है) के यहां उक्त पर्ची को पंजीकृत किया गया है;</p> <p>(2) यह कि उक्त पर्ची का धारक, जो ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे पर्ची मूलतः जारी की गई थी या हस्तांतरण धारी हो, उक्त पर्ची का ब्यौरा उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी को आपूर्तिकर्ता या विनिर्माता से प्राप्त पत्र या प्रोफार्मा बीजक के साथ प्रस्तुत करे जिसमें उसके क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी (जिसे इसके बाद उक्त अधिकारी कहा गया है) के ब्यौरे हो तथा निकासी किये जाने वाले माल का विवरण, मात्रा, मूल्य एवम उस पर उदग्रहणीय शुल्को के ब्यौरे हो, इस छूट को छोड़कर;</p> <p>(3) यह कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी, अधिसूचना सं. 24/2015-सीमा शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि.] 269(अ) दिनांक 8 अप्रैल 2015, के तहत आयातों तथा नामे की गई राशि, अधिसूचना सं. 10/2015-सेवा कर, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि. 273 (अ)] दिनांक 8 अप्रैल 2015 के तहत नामे की गई राशि और इस छूट के अंतर्गत पहले से नामे की गई राशि को ध्यान में रखते हुए, उदग्रहणीय शुल्क को, यदि यह छूट न दी गई हो तो, कस्टम ऑटोमेटेड सिस्टम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से नामे कर लेगा और इस कार्रवाई की लिखित सलाह उक्त अधिकारी को देगा ;</p> <p>(4) यह कि निकासी के समय, पर्ची का धारक उक्त अधिकारी को संबोधित करते हुए इस बात का एक वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि यदि उक्त पर्ची में किसी धनराशि के कम नामे होने के मामले में वह मांग करने पर कम नामे की धनराशि के बराबर धन लागू ब्याज के साथ अदा करेगा ;</p> <p>(5) यह कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी से प्राप्त लिखित सलाह और उक्त वचनपत्र के आधार पर उक्त अधिकारी उक्त लिखित सलाह में उल्लिखित निकासी के ब्यौरे को पृष्ठांकित करता है और उसको वैध कर देता है और देय शुल्क के ब्यौरे को भी पृष्ठांकित कर देता है यदि यह छूट न दी गई हो तो, जिसको कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी के द्वारा नामे किया गया था और ऐसे निकासी का एक अभिलेख रखता है ;</p> <p>(6) यह कि उक्त अधिकारी ऐसे पर्ची धारक को और विनिर्माता को उक्त पृष्ठांकित लिखित सलाह की सत्यापित प्रतियां विधिवत रूप से उपलब्ध कराएगा, जो कि इस अधिसूचना के अंतर्गत अपने निकासी के समर्थन में अपने पास रखेंगे;</p> <p>(7) यह कि उक्त स्क्रिप धारक, जिसको कि माल की निकासी की गई उक्त पर्ची में नामे की गई तथा वैध की गयी राशि के एवज में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की चतुर्थ अनुसूची के अंतर्गत लगने वाले उत्पाद शुल्क की प्रतिअदायगी या सेनवेट क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र होगा।”.</p>
2.	21/2015-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल, 2015 [सा.का.नि. सं. 272(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2015]	<p>उक्त अधिसूचना में, पैराग्राफ 2 के पश्चात निम्नलिखित पैराग्राफ को अंतस्थापित किया जाएगा, यथा:-</p> <p>“3. उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में निहित किसी भी बात के बावजूद, 10 अप्रैल 2019 को या उसके बाद, कस्टम ऑटोमेटेड सिस्टम पर सक्षम पंजीकरण पत्तन के लिये, भौतिक प्रति के बिना इलेक्ट्रॉनिक रूप जारी उक्त पर्ची के सम्बन्ध में यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, नामशः :-</p>

	<p>(1) यह कि अधिसूचना सं. 25/2015-सीमा शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि. 270 (अ) दिनांक 8 अप्रैल 2015] के पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट शर्तों (1) और (2) का पालन किया गया है और उक्त पर्ची में उल्लिखित पंजीकरण पत्तन पर सीमा शुल्क प्राधिकारी (जिसे इसके बाद उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी कहा गया है) के यहां उक्त पर्ची को पंजीकृत किया गया है;</p> <p>(2) यह कि उक्त पर्ची का धारक, जो ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे पर्ची मूलतः जारी की गई थी या हस्तांतरण धारी हो, उक्त पर्ची का ब्यौरा उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी को आपूर्तिकर्ता या विनिर्माता से प्राप्त पत्र या प्रोफार्मा बीजक के साथ प्रस्तुत करे जिसमें उसके क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी (जिसे इसके बाद उक्त अधिकारी कहा गया है) के ब्यौरे हो तथा निकासी किये जाने वाले माल का विवरण, मात्रा, मूल्य एवम उस पर उदग्रहणीय शुल्कों के ब्यौरे हों, इस छूट को छोड़कर;</p> <p>(3) यह कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी, अधिसूचना सं. 25/2015-सीमा शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि.] 270(अ), दिनांक 8 अप्रैल 2015, के तहत आयातो तथा नामे की गई राशि, अधिसूचना सं. 11/2015-सेवा कर, दिनांक 8 अप्रैल 2015 [सा.का.नि. 274 (अ), दिनांक 8 अप्रैल 2015] के तहत नामे की गई राशि और इस छूट के अंतर्गत पहले से नामे की गई राशि को ध्यान में रखते हुए, उदग्रहणीय शुल्क को, यदि यह छूट न दी गई हो तो, कस्टम ऑटोमेटेड सिस्टम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से नामे कर लेगा और इस कार्यवाई की लिखित सलाह उक्त अधिकारी को देगा ;</p> <p>(4) यह कि निकासी के समय, पर्ची का धारक उक्त अधिकारी को संबोधित करते हुए इस बात का एक वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि यदि उक्त पर्ची में किसी धनराशि के कम नामे होने के मामले में वह मांग करने पर कम नामे की धनराशि के बराबर धन लागू ब्याज के साथ अदा करेगा ;</p> <p>(5) यह कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी से प्राप्त लिखित सलाह और उक्त वचनपत्र के आधार पर उक्त अधिकारी उक्त लिखित सलाह में उल्लिखित निकासी के ब्यौरे को पृष्ठांकित करता है और उसको वैध कर देता है और देय शुल्क के ब्यौरे को भी पृष्ठांकित कर देता है यदि यह छूट न दी गई हो तो, जिसको कि उक्त सीमा शुल्क प्राधिकारी के द्वारा नामे किया गया था और ऐसे निकासी का एक अभिलेख रखता है ;</p> <p>(6) यह कि उक्त अधिकारी ऐसे पर्ची धारक को और विनिर्माता को उक्त पृष्ठांकित लिखित सलाह की सत्यापित प्रतियां विधिवत रूप से उपलब्ध कराएगा, जो कि इस अधिसूचना के अंतर्गत अपने निकासी के समर्थन में अपने पास रखेंगे;</p> <p>(7) यह कि उक्त स्क्रिप धारक, जिसको कि माल की निकासी की गई उक्त पर्ची में नामे की गई तथा वैध की गयी राशि के एवज में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की चतुर्थ अनुसूची के अंतर्गत लगने वाले उत्पाद शुल्क की प्रतिअदायगी या सेनवेट क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र होगा।”.</p>
--	--

[फा. सं. 605/23/2018-डीबीके]

आनंद कुमार झा, अवर सचिव

नोट:

(1) प्रधान अधिसूचना संख्या 20/2015-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल, 2015 को सा.का.नि. 271(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2015 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3 उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था और इसमें अंतिम बार अधिसूचना संख्या 17/2017-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 30 जून, 2017 को जिसे सा.का.नि. संख्या 755(अ), दिनांक 30 जून, 2017 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था, के द्वारा संशोधित किया गया था।

(2) प्रधान अधिसूचना सं. 21/2015-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 8 अप्रैल, 2015 को सा.का.नि. 272(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2015 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3 उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था और इसमें अंतिम बार अधिसूचना संख्या 17/2017-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 30 जून, 2017 को जिसे सा.का.नि. संख्या 755(अ), दिनांक 30 जून, 2017 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था, के द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**New Delhi, the 9th April, 2019**No. 01/2019-Central Excise**

G.S.R. 294(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table below shall be further amended in the manner as specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely:—

TABLE

Serial Number	Notification number and date	Amendments
(1)	(2)	(3)
1.	20/2015-Central Excise, dated the 8th April, 2015 [G.S.R. No. 271(E), dated the 8th April, 2015]	<p>In the said notification, after paragraph 2, following paragraph shall be inserted namely:-</p> <p>“3. Notwithstanding anything contained in paragraph 2 above, in respect of the said scrip issued on or after the 10th April, 2019 electronically without a physical copy for a port of registration enabled on the customs automated system, the exemption shall be subject to the following conditions, namely:-</p> <p>(1) that the conditions (1) to (3) specified in paragraph 2 of the notification No. 24/2015-Customs, dated the 8th April, 2015 [G.S.R.269(E), dated the 8th April, 2015] are complied and the said scrip has been registered with the Customs Authority at the port of registration specified in the said scrip (hereinafter referred to as the said Customs Authority);</p> <p>(2) that the holder of the scrip, who may either be the person to whom the scrip was originally issued or a transferee-holder, presents details of the said scrip to the said Customs Authority along with a letter or proforma invoice from the supplier or manufacturer indicating details of its jurisdictional Central Excise Officer (hereinafter referred to as the said Officer) and the description, quantity, value of the goods</p>

		<p>to be cleared and the duties leviable thereon, but for this exemption;</p> <p>(3) that the said Customs Authority, taking into account the debits already made towards imports under notification No. 24/2015-Customs, dated the 8th April, 2015 [G.S.R.269(E), dated the 8th April, 2015], the debits made under notification No. 10/2015-Service Tax, dated the 8th April, 2015 [G.S.R.273(E), dated the 8th April, 2015] and this exemption, shall debit the duties leviable, but for this exemption electronically in the customs automated system and send written advice of these actions to the said Officer;</p> <p>(4) that at the time of clearance, the holder of the scrip submits an undertaking addressed to the said Officer that in case of any amount short debited in the said scrip he shall pay on demand an amount equal to the short debit, along with applicable interest;</p> <p>(5) that based on the written advice received from the said Customs Authority and the said undertaking, the said Officer endorses the clearance particulars and validates, on the face of the said written advice, the details of the duties leviable, but for this exemption, which were debited by the said Customs Authority, and keeps a record of such clearances;</p> <p>(6) that the said Officer shall give duly attested copies of the said endorsed written advice to the scrip holder and the manufacturer, who retains it in support of the clearance under this notification;</p> <p>(7) that the said holder of the scrip, to whom the goods were cleared, shall be entitled to avail drawback or CENVAT credit of the duties of excise leviable under the Fourth Schedule to the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), against the amount debited in the said scrip and validated at the time of clearance.”.</p>
2.	21/2015-Central Excise, dated the 8th April, 2015 [G.S.R. No. 272(E), dated the 8th April, 2015]	<p>In the said notification, after paragraph 2, following paragraph shall be inserted namely:-</p> <p>“3. Notwithstanding anything contained in paragraph 2 above, in respect of the said scrip issued on or after the 10th April, 2019 electronically without a physical copy for a port of registration enabled on the customs automated system, the exemption shall be subject to the following conditions, namely:-</p> <p>(1) that the conditions (1) and (2) specified in paragraph 2 of the notification No. 25/2015-Customs, dated the 8th April, 2015 [G.S.R. 270(E), dated the 8th April, 2015] are complied and the said scrip has been registered with the Customs Authority at the port of registration specified in the said scrip (hereinafter referred to as the said Customs Authority);</p> <p>(2) that the holder of the scrip, who may either be the person to whom the scrip was originally issued or a transferee-holder, presents details of the said scrip to the said Customs Authority along with a letter or proforma invoice from the supplier or manufacturer indicating details of its jurisdictional Central Excise Officer (hereinafter referred to as the said Officer) and the description, quantity, value of the goods to be cleared and the duties leviable thereon, but for this exemption;</p> <p>(3) that the said Customs Authority, taking into account the debits already made towards imports under notification No. 25/2015-Customs, dated the 8th April, 2015 [G.S.R. 270(E), dated the 8th April, 2015], the debits made under notification No. 11/2015-Service Tax,</p>

		<p>dated the 8th April, 2015 [G.S.R. 274(E), dated the 8th April, 2015] and this exemption, shall debit the duties leviable, but for this exemption electronically in the customs automated system and send written advice of these actions to the said Officer;</p> <p>(4) that at the time of clearance, the holder of the scrip submits an undertaking addressed to the said Officer that in case of any amount short debited in the said scrip he shall pay on demand an amount equal to the short debit, along with applicable interest;</p> <p>(5) that based on the written advice received from the said Customs Authority and the said undertaking, the said Officer endorses the clearance particulars and validates, on the face of the said written advice, the details of the duties leviable, but for this exemption, which were debited by the said Customs Authority, and keeps a record of such clearances;</p> <p>(6) that the said Officer shall give duly attested copies of the said endorsed written advice to the scrip holder and the manufacturer, who retains it in support of the clearance under this notification;</p> <p>(7) that the said holder of the scrip, to whom the goods were cleared, shall be entitled to avail drawback or CENVAT credit of the duties of excise leviable under the Fourth Schedule to the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), against the amount debited in the said scrip and validated at the time of clearance.”.</p>
--	--	---

[F. No. 605/23/2018-DBK]

ANAND KUMAR JHA, Under Secy.

Note:

(1) The principal notification No. 20/2015-Central Excise, dated the 8th April, 2015 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R.271 (E), dated the 8th April, 2015 and was last amended by notification number 17/2017-Central Excise, dated the 30th June 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R.755 (E), dated the 30th June, 2015.

(2) The principal notification No. 21/2015-Central Excise dated the 8th April, 2015 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 272 (E), dated the 8th April, 2015 and was last amended by notification number 17/2017-Central Excise, dated the 30th June 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R.755 (E), dated the 30th June, 2015.